**विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय**

**कक्षा – सप्तम** **दिनांक -२-०८ - २०२१**

**विषय -हिन्दी** **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

**एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित**

**सुप्रभात बच्चों आज कारक के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे**

## कारक – परसर्ग / विभक्तियाँ

1. **कर्ता (क्रिया को करने वाला)**
2. **कर्म (जिस पर क्रिया का फल पड़ता है)**
3. **करण (वह साधन जिससे क्रिया संपन्न होती हो)**
4. **संप्रदान (जिसके हित की पूर्ति क्रिया से होती हो)**
5. **अपादान (जिससे अलग होने का भाव प्रकट हो)**
6. **संबंध (क्रिया के अतिरिक्त अन्य पदों से संबंध बताने वाला) का, के, की, रा, रे, री, ना, ने, नी**
7. **अधिकरण (क्रिया करने का काल या स्थान) में, पर**
8. **संबोधन (जिस संज्ञा को संबोधित किया जाए) अरे, हे!**

## कर्ता कारक

**क्रिया का करने वाला कर्ता कहलाता है। यह विशेष रूप से संज्ञा या सर्वनाम ही होता है। इसका संबंध सीधा क्रिया से होता है। कर्ता कारक का चिह्न "ने" है। इसका प्रयोग केवल भूतकाल में होता है। वर्तमानकाल और भविष्यत्काल वाली क्रियाओं वाले वाक्यों में "ने" परसर्ग का प्रयोग नहीं होता है। जैसे:**

- **(क) राजा प्रतिदिन खेलता है। (वर्तमानकाल)**
- **(ख) रमा ने पानी पिया। (भूतकाल)**
- **(ग) सोनिया कल जाएगी। (भविष्यत्काल)**

**कभी-कभी कर्ता के साथ "से", "के द्वारा" परसर्ग का भी प्रयोग होता है। जैसे:**

- **(क) योगेश से पढ़ा नहीं जाता।**
- **(ख) जादूगर के द्वारा जादू के खेल दिखाए गए।**

**प्राकृतिक शक्ति या पदार्थ भी कर्ता के रूप में प्रयुक्त हो सकते हैं। जैसे:**

- **(क) चंद्रमा चमकता है।**
- **(ख) बादल वर्षा करते हैं।**

## कर्म कारक

**शब्द के जिस रूप पर क्रिया का फल पड़ता है, उसे कर्म कारक कहते हैं। इसकी विभक्ति या परसर्ग "को" है। जैसे:**
**(क) पिता ने रमेश को समझाया।**
**(ख) अमन ने इस अभ्यास को अच्छी तरह पढ़ा है।**